अध्याय 10

काल

काल के मतलब होला-समय। काम करे भा होखे के कवनो समय होला। जवना समय में कवनो काम पूरा भा शुरू होला ओकरा के काल कहल जाला। एह तरीका से -**क्रिया के ओह रूपांतर के काल कहल जाला जवना से कर्त्ता द्वारा नियत कार्य-व्यापार के करे के समय के बोध होला।**

क्रिया के समय या त बीत गइल हो सकेला भा हो सकेला कि अबहीं चलते भा आगे आवे वाला समय में होखे के संभावना हो सकेला। एह तरह से 'काल' के तीन गो स्थिति हो जाला। जवन क्रिया बीत गइल ओकरा के भूतकाल में, जवन क्रिया चल रहल बिआ ओकरा के वर्तमान काल में आ जवन क्रिया के आगे आवेवाला समय में शुरू होखे के संभावना बा ओकरा के भविष्यत काल में रखल जाला। एह तरह से काल तीन प्रकार के होला-1.भूतकाल, 2. वर्तमान काल, 3. भविष्यत काल।

भूतकाल

जवन क्रिया से काम के पूरा समाप्त हो गइला के बोध होखेला ओकरा के भूतकाल के क्रिया कहल जाला। जइसें-'राम गइलन', 'सीता खा लिहलीं', एह में जाए आ खाए के काम पूरा हो गइल बा।

भूतकाल के छव गो भेद होला-1. सामान्य भूत, 2. पूर्णभूत 3. अपूर्ण भूत, 4. आसन्नभूत भा तात्कालिक भूत 5. संदिग्ध भूत (अपूर्ण संदिग्ध भूत, पूर्ण संदिग्ध भूत) 6. हेतुहेतुमद् भूत।

1. सामान्य भूत-क्रिया के जवना रूप से भूतकाल का सामान्य रूप के बोध होला ओकरा के सामान्य भूतकाल कहल जाला। एह में क्रिया के घटित समय विशेष के ज्ञान ना प्राप्त होला। जइसे-सीता गइली, राम गइलन।

2. आसन्न भूत- क्रिया के जवना रूप से आसन्न भा निकट के समय में अर्थात् तत्काल घटित होखे के सूचना मिले ओकरा के आसन्न भूतकाल कहल जाला। 'खेल लेलन', 'खा लेलन'।

3. पूर्णभूत-क्रिया के जवना रूप से क्रिया के पूरा होखे के समय के ई स्पष्ट बोध हो जाला कि क्रिया के खत्म भइला काफी समय हो गइल बा, त ओकरा के पूर्णभूत कहल जाला। जइसे-'ऊ खा लेलन', 'ऊ खेल लेलन'।

4. अपूर्ण भूत-क्रिया के जवना रूप से इ पता चले कि क्रिया पहिलहि से हो रहल बा, बाकिर ऊ समाप्त भइल की ना एकर पता ना चले ओकरा के अपूर्ण भूत कहल जाला। जइसे- 'ऊ खेलत रहलन', 'रमेसर खात रहलन', 'गीता जात रहली।

5. संदिग्ध भूत-क्रिया के जवना रूप से इ पता ना चले कि क्रिया भूतकाल में भइल की ना अर्थात् क्रिया के पूरा होखे के संबंध में

संदेह बनल रहे त ओकरा के संदिग्ध भूत कहल जाला। जइसे-ऊ खइले होइइन', 'ऊ गइल होइहन', 'ऊ खेलले होइहन'। 'बाबूजी खा लेले होइहन'।

6. हेतुहेतुमदभूत-एह में क्रिया के सशर्त पूरा होखे के भाव होला। कहे के मतलब बा कि पहिलकी क्रिया के पूर्णता दोसरकी क्रिया पर निर्भर करेले। जइसे 'ऊ अइतन त हम जइतीं'।

वर्तमान काल

'क्रिया के जवना रूप से क्रिया के व्यापार के निरंतरता के अर्थात् वर्तमान समयो में चलत रहे के बोध होखेला ओकरा के वर्तमान काल कहल जाला।' जइसे-ऊ खात बाड़न, हम जात बानी, राधा खेलत बाड़ी। एह में 'खाए, जाए, खेले' के क्रिया वर्तमान समय में भी चल रहल बा, अभी खत्म नइखे भइल।

वर्तमान काल के पाँच गो भेद होला-

1. सामान्य वर्तमान, 2. अपूर्ण वर्तमान, 3. पूर्ण वर्तमान, 4. संदिग्ध वर्तमान, 5. संभाव्य वर्तमान

1. सामान्य वर्तमान-क्रिया के जवना रूप से क्रिया के वर्तमान समय में हो रहल मात्र पावल जाय ओकरा के सामान्य वर्तमान कहल जाला। जइसे 'तू खात बाड़', 'हम पढ़त बानी', 'ऊ पढ़त हवे', 'ऊ पढ़त बड़ुए'।

2. संदिग्ध वर्तमान-क्रिया के जवना रूप से वर्तमान काल में कार्य के होखे के संबंध में संदेह बनल रहे ओकरा के संदिग्ध वर्तमान

कहल जाला। जइसे-'ऊ शायद आवत होइहन', 'बाबूजी आवत होइब।

3. अपूर्ण वर्तमान-क्रिया के जवना रूप से कार्य के वर्तमान काल में लगातार होत रहे के बोध होय आ कार्य अभी पूरा ना भइल होखे, ओकरा के अपूर्ण वर्तमान कहल जाला।

जइसे- ऊ खा रहल हवन। रमेसर खेल रहल बाड़े। ऊ पढ रहल बाड़न।

4. पूर्ण वर्तमान-क्रिया के जवना रूप से कार्य के वर्तमान काल में पूरा होखे के बोध होला ओकरा के पूर्ण वर्तमान कहल जाला। जइसे-'हम खेल लेली ह', 'ऊ खा लेली ह', 'ऊ गइली ह'।

5. संभाव्य वर्तमान-क्रिया के जे रूप से वर्तमान काल में कार्य के पूरा होखे के संभावना के बोध होखे ओकरा के संभाव्य वर्तमान कहल जाला। जइसे-'राम लौटल होइहन', 'ऊ जात होखिहन', 'रमेसर खेत पटवले होइहन'।

भविष्यत् काल

क्रिया के जवना रूप से कार्य के आगे आवेवाला समय में होखे के बोध होला ओकरा के भविष्यत् काल कहल जाला।' जइसे-हम जाइब, ऊ खेलिहन, सीता गीत गइहन। सब वाक्य में जाये, खेले, गावे के क्रिया आवेवाला समय में होखे के भाव प्रकट होता।

भविष्यत् काल के दू गो रूप प्रचलित बा-

1. सामान्य भविष्यत् 2. संभाव्य भविष्यत्

1. सामान्य भविष्यत्-जहाँ साधारण रूप से आवेवाला समय में कार्य के करे भा होखे के भाव पावल जाला ओकरा के सामान्य भविष्यत् काल कहल जाला। जइसे-'ऊ जइहन', 'ऊ खइहन', 'सीता गीत गइहन'।

2. संभाव्य भविष्यत्-भविष्य में कार्य होखे में संदेह भा संभावना भा इच्छा के बोध होखे ओकरा के संभाव्य भविष्यत् कहल जाला। जइसे-ऊ जा सकेलन', 'तबियत ठीक रही त खा लिहन', 'पढ़िहन त फर्स्ट हो जइहन'।

बोध प्रश्न

1. खाली जगह के सही विकल्प से भरीं।

(समय के बोध, भूतकाल, वर्तमान काल, सामान्य वर्तमान, संभाव्य वर्तमान, भविष्यत् काल, संभाव्य भविष्यत्)

(क) क्रिया के ऊ रूपांतर के काल कहल जाला जवना से कर्त्ता द्वारा नियत कार्य व्यापार के करे के ..... होला।

(ख) जवन क्रिया से काम के पूरा मतलब समाप्त हो गइला के बोध होखेला ओकरा के .....के क्रिया कहल जाला।

(ग) क्रिया के जवना रूप से क्रिया के व्यापार के निरंतरता के अर्थात् वर्तमान समयो में चलत रहे के बोध होखेला ओकरा के ..... कहल जाला।'

(घ) क्रिया के जवना रूप से क्रिया के वर्तमान समय में हो रहल मात्र पावल जाय ओकरा के.....कहल जाला।

(ङ) क्रिया के जवना रूप से वर्तमान काल में कार्य के पूरा होखे के संभावना के बोध होखे ओकरा के ..... कहल जाला।

(च) क्रिया के जवना रूप से कार्य के आगे आवेवाला समय में होखे के बोध होला ओकरा के ..... कहल जाला।

(छ) भविष्य में कार्य होखे में संदेह भा संभावना भा इच्छा के बोध होखे ओकरा के ..... कहल जाला।

2. मिलान करीं

अ	ब
(क) क्रिया के जवना रूप से भूतकाल के सामान्य रूप के बोध होला ओकरा के .....कहलजाला।	(i)सामान्य वर्तमान
(ख) क्रिया के जवना रूप से आसन्न भा निकट के समय में अर्थात् तत्काल घटित होखे के सूचना मिले ओकरा के ..... कहल जाला।	(ii) समान्य भूत
(ग) क्रिया के जवना रूप से क्रिया के वर्तमान समय में हो रहल मात्र पावल जाय ओकरा के ..... कहल जाला।	(iii) आसन्न भूत
(घ) क्रिया के जवना रूप से वर्तमान काल में कार्य के होखे के संबंध में संदेह बनल रहे ओकरा के ..... कहल जाला।	(iv) पूर्ण वर्तमान
(ङ) क्रिया के जवना रूप से कार्य के वर्तमान काल में पूरा होखे के बोध होला ओकरा के ..... कहल जाला।	(v) संदिग्ध वर्तमान

3. सही विकल्प पर (✓) आऊर गलत पर (×) निसान लगाईं ।

(क) भूतकाल के दू गो भेद होला। ( )

(ख) साधारण रूप से आवेवाला समय में कार्य करे भा होखे के भाव पावल जाला ओकरा के सामान्य भविष्यत् काल कहल जाला। ( )

(ग) क्रिया के जवना रूप से वर्तमान काल में कार्य के पूरा होखे के संभावना के बोध होखे ओकरा के संभाव्य भविष्यत कहल जाला। ( )

(घ) 'ऊ खा रहल हवन' अपूर्ण वर्तमान काल में बा। ( )

(ङ) 'ऊ खइले होहन' में 'खइले' क्रिया पूर्ण भूत ह। ( )

(च) हेतुहेतुमदभूत में क्रिया के सशर्त पूरा होखे के भाव होला। ( )

4. कोष्ठक में दिहल निर्देश के अनुसार खाली जगह पूरा करीं-

(क) रमेसर अबही.....। (अपूर्ण भूत)

(ख) सुरेश बाजारे .....। (पूर्णभूत)

(ग) हम उनका के.....त पहचान.....। (हेतुहेतुमदभूत)

5. नपल-तुलल शब्द में उत्तर दिहल जाय।

(क) काल केकरा के कहल जाला।

(ख) काल के कैगो आ कवन-कवन भेद होला। उदाहरण समेत लिखल जाय।

(ग) भूतकाल के परिभाषा आऊर भेद लिखल जाय।

(घ) हेतुहेतुमदभूत के परिभाषा लिखल जाय।

जाने के चाही

(क) काल के संस्कृत में लकार अनुसार अनेक रूप कइल गइल बा, जेकर संख्या 12 गो बा, ओहनी के उदाहरण समेत लिखल जाय।

(ख) हेतुहेतुमदभूत आ एकरा से बनेवाली क्रिया के संग्रह कइल जाय।

(ग) सामान्य भूत से कवन-कवन क्रिया बनेलीसन।